'सुप्रशासन- चुनौतियां एवं संभावनाएं' कार्यक्रम

कोविड-19 के बाद के सुप्रशासन को लेकर हुआ मंथन

भोपाल-म.प्र.। कोविड महामारी के दौरान अनेक लोगों की मृत्यु सिर्फ इसलिए हो गई कि उन्हें उस समय मानसिक सहयोग नहीं मिल पाया। ब्रह्माकुमारीज़ के अनेक सेवाकेन्द्रों ने महामारी के उस दौर में न सिर्फ स्वयं कोरोना दिशानिर्देशों का पालन किया बल्कि अन्य लोगों को भी विभिन्न सहयोग के साथ मानसिक एवं भावनात्मक सहयोग भी दिया जिससे पीड़ितों में हिम्मत एवं उमंग उत्साह का संचार हुआ। उनके अंदर से नकारात्मक फीलिंग निकल कर सकारात्मक सोच जागृत हुई जिससे उनके अंदर का भय खत्म हुआ और वे महामारी को हराने में सफल हुए। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ सहस्त्रबाहु नगर एवं ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक प्रभाग द्वारा आयोजित कोविड-19 के बाद का सुप्रशासन- 'चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली से आईं प्रशासक प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने व्यक्त किये। राज्य आनंद संस्थान के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अखिलेश अर्गल ने कहा कि हम थोड़ी देर के लिए खुश होते हैं, परंतु उस खुशी को लंबे समय तक बरकरार नहीं रख पाते। हमारा उद्देश्य उस खुशी को लंबे समय तक महसूस करने की विधियां एवं माध्यम की पहचान कराना है। हेमराज सूर्यवंशी,नेशनल हेड,मिनरल रिसोर्स असेसमेंट तथा विभागाध्यक्ष,मध्य क्षेत्र,म.प्र. एवं छ.ग. जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने कहा कि प्रशासन में मूल्यों की धारणा से सुप्रशासन के कार्य को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय संचालिका एवं प्रशासक प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश दीदी ने कहा कि सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में सुप्रशासन एवं मूल्यनिष्ठ प्रशासन की स्थापना करना ही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। ब्र.कु. उर्मिल दीदी,क्षेत्रीय संयोजिका,प्रशासक प्रभाग, दिल्ली ज़ोन ने मेडिटेशन के महत्व को बताया एवं सभी को राजयोग की विधि बताते हुए अनुभूति कराई। ओम शांति रिट्रीट सेंटर,गुरूग्राम से आईं ब्र.कु. ख्याति बहन ने सभी को वैल्यूज़ की एक्सरसाइज़ कराई। सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. डॉ. रीना दीदी ने सभी का शब्दों के माध्यम से स्वागत किया।

कार्यक्रम में...

राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने दिए सुप्रशासन के टिप्स

सभी वक्ताओं ने कहा... मूल्यों के समावेश से ही हो सकेगा सुप्रशासन

अचल दीदी के सातवें पुण्य स्मृति दिवस पर नि:शुल्क नाड़ी जाँच शिविर

कादमा-हरियाणा। त्याग, तपस्या, पवित्रता की दिव्य मूर्ति थीं अचल दीदी जी, जिन्होंने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू एवं कश्मीर, चंडीगढ़ में ईश्वरीय सेवाओं से मानवता को मानवीय मूल्यों का पाठ पढ़ाया। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ की कादमा शाखा के तत्वाधान में रामबास सेवाकेन्द्र में उत्तरी क्षेत्र की निदेशक रहीं अचल दीदी के सातवें स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रभारी ब्र.कु. वसुधा बहन ने व्यक्त किये। अचल दीदी के पुण्य स्मृति दिवस पर 'नि:शुल्क नाड़ी जाँच शिविर', 'दिव्य प्रवचन एवं ब्रह्मा भोजन' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयुर्वेदाचार्य जतिंदर कुमार ने कहा कि नाड़ी शरीर में सही काम कर रही है तो हम स्वस्थ हैं। हमारा शरीर नाड़ी प्रणाली से ही बंधा व जुड़ा हुआ है, इसलिए अगर हम स्वस्थ रहना चाहते हैं तो सात्विक, यौगिक व आयुर्वेदिक जीवन पद्धति को अपनाना होगा। शिविर में 120 लोगों का नाड़ी जाँच से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉ. जतिन्द्र ने लोगों को शारीरिक योग के साथ-साथ आयुर्वेदिक दवाओं व खानपान से स्वस्थ रहने के तरीके बताए जिससे हम अपने मानसिक, शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रख सकते हैं और तभी हम एक स्वस्थ समाज की कल्पना कर सकते हैं।

शिविर का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. वसुधा बहन ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क वास करता है। हमें आयुर्वेदिक व योगी जीवन शैली अपनाकर एक निरोगी, स्वस्थ व स्वच्छ समाज बनाने में अपना सहयोग देना चाहिए। योगी व आयुर्वेदिक जीवन शैली से ही हम भारत को पुनः विश्व गुरू बना सकते हैं। उन्होंने लोगों को अपनी दिनचर्या में राजयोग मेडिटेशन को शामिल कर जीवन को तनाव मुक्त, आनंदमय बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सभी भाई-बहनों ने अचल दीदी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके पद् चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

रैली निकालकर दिया स्वच्छता का संदेश

गांधी जयंती पर नगर पंचायत बरमकेला की स्वच्छता दीदियों का किया सम्मान

बरमकेला-रायगढ़(छ.ग.)। ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र द्वारा इंदिरा गली से बस स्टैंड तक रैली निकालकर लोगों को संदेश दिया गया और झाड़ू लगाने के पश्चात् नगर पंचायत की सभी स्वच्छता दीदियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सभी सफाई कर्मियों को फूल, माला, श्रीफल, प्रसाद एवं ईश्वरीय सौगात के साथ सम्मानित किया गया। राजयोगिनी ब्र.कु. सुनैना बहन ने सफाई कर्मियों को स्वच्छता का महत्व बताते हुए कहा कि घर, गली, मोहल्ला, रोड की सफाई के साथ-साथ मन की सफाई भी ज़रूरी है, क्योंकि गंदगी सबसे पहले मन से शुरु होती है और मन की सफाई का एक ही स्रोत है सहज राजयोग विधि। नगर पंचायत अध्यक्ष हेम सागर नायक व उपाध्यक्ष रामकुमार नायक द्वारा सभी स्वच्छता दीदियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो सफाई कर्मियों को प्रोत्साहन हेतु नगर पंचायत द्वारा तीन-तीन हज़ार का चेक देकर सम्मानित किया गया। मौके पर ब्र.कु. भुवनेश्वरी बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों सहित पार्षद गण व अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सारनाथ में पितृ भक्ति के साथ दिखा प्रकृति प्रेम का संगम

सारनाथ-वाराणसी(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के सारनाथ स्थित पूर्वांचल मुख्यालय,ग्लोबल लाइट हाउस,सारनाथ में पितृ भक्ति के साथ प्रकृति के सम्मान और सुरक्षा का स्वरूप देखने को मिला। अवसर था सारनाथ,नई बाज़ार निवासी सुशील पाल के पुत्रगण जिला अपर संख्या अधिकारी(सांख्यिकी)अकबपुर रवि पाल एवं रजनीश पाल द्वारा दिवंगत रामप्रसाद पाल के स्मृति में आयोजित पौधा रोपण व वितरण कार्यक्रम का। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्वांचल निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी ने कहा कि माता-पिता ईश्वर के दूसरे स्वरूप होते हैं। उनकी सेवा और सत्कार से बढ़कर और कोई सेवा नहीं। माता-पिता का आशीर्वाद वर्तमान और भविष्य को संवार देता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को सुखद भविष्य और खुशहाली के लिए परमात्मा के साथ आजीवन अपने माता-पिता के सानिध्य और सेवा में संलग्न रहना चाहिए। संस्था के पूर्वांचल प्रबंधक राजयोगी ब्र.कु. दीपेंद्र ने कहा कि माता-पिता की तरह पेड़-पौधे मानव जीवन के पालनहार हैं। पेड़-पौधों से जीवन दायिनी ऑक्सीज़न और हमारे अनुकूल वायुमण्डल का निर्माण होता है। इनकी सुरक्षा करना हम सभी का दायित्व है। संस्था के पूर्वांचल मीडिया एवं जनसम्पर्क प्रभारी ब्र.कु. विपिन, अकबपुर के जिला अपर संख्या अधिकारी(सांख्यिकी) रवि पाल एवं सारनाथ के रजनीश पाल, बी.एच.यू. के पूर्व एसोसिएट प्रो. लक्ष्मीनारायण पटेल, मुन्ना पटेल आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में सौ से अधिक लोगों को फल, पुष्प और वायु प्रशोधक पौधों का वितरण किया गया। संचालन मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. तापोशी बहन ने किया। मौके पर बड़ी संख्या में भाई-बहनों सहित दिवंगत रामप्रसाद पाल के मित्र-सम्बंधी उपस्थित रहे।

अष्ट भुजा... अष्ट शक्तियों का प्रतीक है

बीदर-रामपुर कॉलोनी(कर्नाटक)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चैतन्य देवियों की झाँकी तथा नौ दिवसीय प्रवचन माला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पार्वती बहन, प्रभाकर मैलापुरकर,बिज़नेसमैन, कामशेट्टी चीकबस्से, चेयरमैन,नवीन पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज बीदर, प्रो. करण,आर.आर.के.फार्मेसी कॉलेज बीदर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्य वक्ता ब्र.कु. श्रेया बहन,मुम्बई ने नवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि सत्यता के मार्ग पर चलने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है। देवियों को अष्ट भुजाधारी दिखाते हैं। ये भुजाएं अलग-अलग शक्ति का प्रतीक है। इसलिए मानव आज इन देवियों के आगे शक्ति मागते हैं। ये सर्व शक्तियां अपने अंदर ही निहित हैं। परमात्म ज्ञान एवं राजयोग से ये अष्ट शक्तियां जागृत हो जाती हैं। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र.कु. पारू बहन ने किया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd Nov, 2021
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - श्री मुकेश मंगल, डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News : www.omshantimedia.org